DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Accredited with A Grade by NAAC
Kargi Road, Kota, Dist.-Bilaspur (C.G.) - 495113
Ph.: 07753-253801 Fax: 07753-253728
E-mail: info@cvru.ac.in, visit us at: www.cvru.ac.in

बिलासपुर, दिनांक : 06.04.2024

क्र. /कु.स./सी.व्ही.आर.यू./2024

प्रति,

अध्यक्ष महोदय,
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग,
छत्तीसगढ़ शासन,
रायपुर (छ.ग.)

विषय :– डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय का माह मार्च – 2024 का मासिक प्रगति प्रतिवेदन।

आदरणीय महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत, डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय द्वारा माह मार्च – 2024 का मासिक प्रतिवेदन प्रेषित किया जा रहा है।

सादर,

कुलसचिव

डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय

करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

मासिक प्रगति पत्रक

माह :– मार्च – 2024

01	विश्वविद्यालय का नाम एवं स्थापना वर्ष।	डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय, स्थापना वर्ष नवम्बर 2006,
02	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी।	<u>फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी</u> बी. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) बी. टेक. (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन) बी. टेक. (इलेक्ट्रिकल) बी. टेक. (मेकनिकल) बी. टेक. (सिविल) बी. वोक (वोकेशनल) एम. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) एम. टेक. (डिजीटल कम्यूनिकेशन) एम. टेक. (प्रोडक्शन इंजी.) एम. टेक. (पावर सिस्टम) एम. टेक. (साफटवेयर इंजी.) एम. टेक. (वी.एल.एस.आई.) डिप्लोमा (सिविल इंजी.) डिप्लोमा (कम्प्यूटर साईंस) डिप्लोमा (ईई) डिप्लोमा (मेकनिकल इंजी.) <u>फैकल्टी ऑफ एजुकेशन एण्ड फिजिकल एजुकेशन</u> बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी. एड.) मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम. एड.) बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (बी.पी.ई.एस.) मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (एम.पी.ई.एस.) <u>फैकल्टी ऑफ वाणिज्य एवं प्रबंधन</u> बैचलर ऑफ कामर्स (बी. काम.) मास्टर ऑफ कामर्स (एम. काम.)

		मास्टर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(एम.बी.ए.) बैचलर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(बी.बी.ए.) पोस्ट ग्रेजुऐट डिप्लोमा इन बिजिनेस मैनेजमेंट (पीजीडीबीएम) फैकल्टी ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी पीजीडीसीए (पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) बी.सी.ए. (बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन) डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम.एस.सी. (आई. टी.) फैकल्टी ऑफ आर्ट्स बी. ए. (हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत साहित्य, भूगोल, शिक्षा, राजनीति शास्त, अर्थशास्त्र, इतिहास, समाज शास्त्र) एम. ए. (हिन्दी साहित्य) एम. ए. (अंग्रेजी साहित्य) एम. ए. (संस्कृत साहित्य) एम. ए. (छत्तीसगढ़ी) एम. ए. (भूगोल) एम. ए. (शिक्षा) एम. ए. (राजनीति शास्त्र) एम. ए. (अर्थशास्त्र) एम. ए. (इतिहास) एम. ए. (समाज शास्त्र) बी. लिब. एम. लिब. एम. एस. डब्ल्यू. ललित कला बी. जे. एम. जे. फैकल्टी ऑफ साईंस बी. एस. सी. (जीवविज्ञान) बी. एस. सी. (गणित) बी. एस. सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम. एस. सी. (गणित) एम. एस. सी. (भौतिकी) एम. एस. सी. (प्राणी शास्त्र) एम. एस. सी. (वनस्पति शास्त्र) एम. एस. सी. (रसायन) एम. एस. सी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान) एम. एस. सी. (जैव प्रौद्योगिकी)

		एम. एस. सी. (ग्रामीण प्रौद्योगिकी) <u>फैकल्टी ऑफ लॉ</u> बी.ए.एल.एल.बी बी.काम. एल.एल.बी. एल.एल.बी. एल.एल.एम. <u>फैकल्टी ऑफ फार्मेसी</u> बी. फार्मा डी. फार्मा एम. फार्मा <u>शोध पाठ्यक्रम</u>
03	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है? यदि हां, तो तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति।	हॉ, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिये संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है। तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
04	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं (भवन, प्रयोगशाला, ग्रंथालय, खेल मैदान, फर्नीचर, उपकरण एवं अन्य सुविधायें।)	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें पर्याप्त है।
05	क्या विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप हैं?	उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं, पाठ्यक्रमों के अनुरूप है। नए उपकरणों का क्रय किया जा चुका है। नया फर्नीचर एवं लाईब्रेरी के लिये पुस्तकों इत्यादि का क्रय भी किया जा चुका है।
06	विश्वविद्यालय में कार्यरत् अधिकारियों की जानकारी।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमें शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है।
07	विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षक।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमे शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है। विभाग में छात्र–छात्राओं की संख्या के आधार पर शिक्षकों एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति की गई है। रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है।

08	क्या विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षकों की योग्यता एवं अनुभव निर्धारित मापदंडों के अनुरूप है?	शिक्षकों की नियुक्ति नियमानुसार की गई है एवं मापदंडो के अनुरूप है।
09	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है ?	शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है, एवं शिक्षकों की रिक्त पद हेतु माननीय आयोग को अनुमोदन हेतु विषय विशेषज्ञों की सूची प्रेषित की गई है।
10	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के लिए परिनियम/अध्यादेश का अनुमोदन प्राप्त किया गया है? यदि हां, तो उसका विवरण।	परिनियम एवं अध्यादेश विधिवत् अनुमोदित है एवं माननीय आयोग को प्रेषित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के परिनियम के आधार पर निम्न ईकाइयों का गठन किया गया है, जिसमें अंतर्गत शासी निकाय, प्रबंध मंडल एवं अकाद्मिक परिषद् का गठन किया गया है, जिसमें अकाद्मिक परिषद् द्वारा समय–समय पर पाठ्यक्रमों में परिवर्तन कर अपग्रेड किया जाता है, तथा उच्च कोटि के लैब, लाईब्रेरी का निर्माण पाठ्यक्रमानुसार किया गया है। अकाद्मिक परिषद् द्वारा समय–समय पर शोध कार्य हेतु सेमीनार, वर्कशाप एवं फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी किया जाता है।
11	क्या विनियामक आयोग/शासन के द्वारा निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया है? यदि हां, तो निरीक्षण में पाई गई कमियां तथा कमियों को दूर करने के लिये विश्वविद्यालय को दिये गये निर्देश, क्या विश्वविद्यालय द्वारा शासन/विनियामक आयोग के निर्देशों का पालन किया गया है?	हॉ, माननीय आयोग के द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण दिनांक 01.03.2024 को किया गया था। माननीय आयोग के निर्देशों का पालन नियमानुसार किया जा रहा है।
12	विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति पर संक्षिप्त प्रतिवेदन।	विश्वविद्यालय द्वारा समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश नियमानुसार एवं अध्यादेशों के अनुरूप प्रवेशित छात्र–छात्राओं द्वारा दी गई शुल्क द्वारा विश्वविद्यालय में अलग–अलग विभागों के लिये भवन, प्रयोशालाओं का निर्माण एवं उच्च कोटि के आधुनिक उपकरणों का क्रय, समस्त विभाग के अधिकारीगण, शिक्षणगण एवं कर्मचारियों के लिये फर्नीचर, ग्रंथालय में विभागानुसार पुस्तकों का क्रय एवं ग्रंथालय में छात्र–छात्राओं के लिये अध्ययन करने के लिये उच्च कोटि की व्यवस्था मापदण्डों के अनुरूप, आवागमन साधन एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति की जा

		रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भी ऋण लिया गया है, विश्वविद्यालय की पितृ संस्था द्वारा भी विश्वविद्यालय को समय–समय पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति नियमानुसार नियमित रूप से है।
13	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी।	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है एवं नवीन शुल्क संरचना अनुमोदन हेतु प्रेषित है।
14	क्या शिक्षण शुल्क के अतिरिक्त अन्य शुल्क विद्यार्थियों से लिये जाते हैं? यदि हां तो उसका औचित्य।	अध्यादेशों के अनुसार ही शुल्क लिया जाता है, अतिरिक्त शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।
15	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम यूजीसी, एआईसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के मार्गदर्शक बिन्दुओं के अनुरूप हैं?	विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रम यूजीसी के अधिनियम 1956 की धारा (22) के अनुरूप है तथा एआईसीटीई, एनसीटीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया या अन्य विनियामक इकाईयों के अनुसार है एवं अनुमोदित है, जिसका निरीक्षण संबंधित इकाईयों द्वारा तथा आयोग द्वारा किया जा चुका है एवं समय समय पर किया जाता है।
16	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां।	– निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति श्री बृजेश चंद्र मिश्रा अध्यक्ष समिति एवं सदस्य प्रशासनिक निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, डॉ सुरेंद्र सिंह खनूजा सदस्य अंशकालिक निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग एवं डॉ. ए. के गुप्ता सदस्य निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग ने विश्वविद्यालय का निरीक्षण दिनांक 1 मार्च 2024 को डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय का किया गया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर आर.पी. दुबे ने विश्वविद्यालय के द्वारा विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए किया जा रहे, विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। कुलसचिव श्री गौरव शुक्ला ने विश्वविद्यालय के द्वारा किए

			जा रही गतिविधियों के संबंध में विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति ने यहां आकर निर्धारित मापदंडों करिकुलम आस्पेक्ट्स, टीचिंग लर्निंग एंड इवोल्यूशन, रिसर्च इन्नोवेशन एंड एक्सटेंशन, इंफ्रास्ट्रक्चर्स एंड लर्निंग रिर्सोस, स्टूडेंट सपोर्ट एवं प्रोग्रेशन गर्वनेंस लीडरशिप एंड मैनेंजमेंट, डिस्टिंक्टिवेनेस एंड बेस प्रेक्टिस को परखा। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक एवं अकादमिक विभागों, प्रयोगशालाओं, खेलकूद के मैदान एवं सुविधाओं, हॉस्टल, लाइब्रेरी, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट, विश्वविद्यालय में शोध के लिए दी जाने वाली सुविधाएं, फैकल्टी वेलफेयर एवं स्टूडेंट वेलफेयर, विश्वविद्यालय में स्थापित विभिन्न केंद्र एवं क्लब, एनसीसी इकाई, एनएसएस इकाई, विस्तार गतिविधियां आदि का बड़ी बारीकी से निरीक्षण किया। टीम ने शिक्षा, शोध, कला–संस्कृति मूल्यों, रचनात्मकता और उद्यमिता के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बारे में जानकारी ली एवं आवश्यक दस्तावेज का निरीक्षण किया।
		–	डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय और छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् रायपुर एक साथ मिलकर विज्ञान एवं अनुसंधान, नवाचार, रिसर्च, पेटेंट की दिशा में कार्य करेंगे। इसके लिए डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय परिसर में छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (सीजी कास्ट) के समन्वय प्रकोष्ठ की स्थापना की जाएगी। विश्वविद्यालय और सीजी कास्ट मिलकर विद्यार्थियों के साथ–साथ पूरे अंचल में स्कूलों, महाविद्यालयों के अलावा आम जन में विज्ञान के प्रति रूचि और जागरूकता के लिऐ कार्य करेंगे।

		– विकसित भारत @ 2047 एवं आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के छात्रों को दिनांक 5 मार्च 2024 को "महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क गनियारी" के औद्योगिक दौरे पर ले जाया गया। इस औद्योगिक दौरे का मूल उद्देश्य विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के छात्रों को औद्योगिक प्रक्रियाओं एवं इसके आर्थिक पहलुओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना था। इस औद्योगिक दौरे के दौरान विद्यार्थियों ने इकाई के सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक कार्य पहलुओं को समझा। औद्योगिक केंद्र के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बुनियादी ढांचे, कार्यप्रणाली, रोजगार के अवसर, श्रमिकों के सामने आने वाली चुनौतियां, आवश्यक कौशल एवं प्रशिक्षण आदि की जानकारी दी। औद्योगिक दौरे का आयोजन वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग और आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिंनाक 08 फरवरी 2024 को अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन वूमेन सेल, आईसीसी वूमेल सेफटी एंड अवेयरनेस समिति और आईक्यूएसी द्वारा मनाया गया। विश्वविद्यालय में कार्यरत् विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को कुलपति एवं अतिथियों ने सम्मानित किया। – विकसित भारत @ 2047 एवं आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, शिक्षा विभाग, एनएसएस, महिला सुरक्षा जागरूकता समिति और आईक्यूएसी के सहयोग से दिनांक 9 मार्च 2024 को "महिलाओं की मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों @ विकसित भारत"

		के महत्वपूर्ण मुद्दे पर एक ई–सेमिनार का आयोजन किया गया। इस आभासी कार्यक्रम का उद्देश्य विकासशील क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा सामना किए जानें वाले मानसिक स्वास्थ्य संघर्षों पर प्रकाश डालना और एक सहायक वातावरण को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करना था। ई–सेमिनार में एसओएस मनोविज्ञान, में डॉ. रोली तिवारी सहायक प्राध्यापक पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर को विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। डॉ. रोली तिवारी ने सेमिनार में भारत के कम विशेषाधिकार प्राप्त क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। – विकसित भारत @ 2047 के अंतर्गत केंद्र सरकार, राज्य सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दिए गए दिशा निर्देश अनुसार डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के कांफ्रेंस हॉल में दिनांक 13 मार्च 2024 को यु–टयूब के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीन सेमीकंडक्टर सुविधाओं के शिलान्यास के अवसर पर लाइव प्रसारण किया गया। देशभर के हजारों उच्च शिक्षण संस्थानों से जुड़े युवाओं को उद्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये युवा भविष्य के भारत के असली हित धारक है जो इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बना रहे हैं । इनमें अपने देश के भविष्य को बदलने की क्षमता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 21वीं सदी टेक्नोलॉजी ड्रिवेन सेंचुरी है। सेमीकंडक्टर के बिना इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भारत को आधुनिकता की तरफ ले जाने के लिए यह सामर्थ्य पैदा करेगी। इस कांफ्रेंस हाल के अलावा सभी विभागों की कक्षाओं में हमारे विद्यार्थी एवं प्राध्यापक

		यूट्यूब के माध्यम से इस लाइव प्रसारण किया गया था। कार्यक्रम में 44 प्राध्यापक एवं 1403 विद्यार्थी ने अपनी सहभागिता की। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनांक 14 मार्च 2024 को केआईआईटी–टीबीआई टीटीओ, भुवनेश्वर ओड़िसा और आर एण्ड डी सेल, आईपीआर सेल, सीआईआईईडी और आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय वर्कशाप का आयोजन "बौद्धिक संपदा अधिकार, इसका व्यावसायीकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण" विषय पर रखा गया था। जिसमें रिसोर्स परसन डॉ. अमरेश पांडा जी लीड– टीटीओ, केआईआईटी–टीबीआई, फार्मर लीड आईपी एण्ड पोर्टफालियों सन फार्मा और एल्केम लैबोरेटरी के माध्यम से बौद्धिक संपदा अधिकार, इसका व्यावसायीकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की भूमिका के बारें में बताया गया है कि यह विश्वविद्यालय के बौद्धिक संपदा पोर्टफोलियो को बढ़ावा देने और प्रबंधित करने के लिए बनाया गया एक निदेशालय है, जिसमें पेटेंट, कॉपीराइट, डिजाइन और ट्रेडमार्क शामिल हैं। इन सभी बिन्दुओं पर विस्तार से विद्यार्थियों को बताया गया। – विकसित भारत @ 2047 एवं आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनांक 15 मार्च 2024 को "विकसित भारत @ 2047 के संदर्भ में जीवन प्रबंधन" विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक प्रेस सूचना ब्यूरो भारत सरकार डॉ. विजय अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मोटिवेशनल शब्द अधिक प्रचलित है

			जबकि यह शब्द उकसाता है, इसके स्थान पर प्रेरणा शब्द का उपयोग किया जाना चाहिए। मोटिवेशन यथार्थ से दूर निर्णय लेने के लिए उकसाता है, जबकि प्रेरणा कार्य करने के लिए उत्साहित करता है। कि यदि हम अपने मन का प्रबंध करते हैं, तो जीवन का प्रबंध हो जाएगा, क्योंकि मन से ही मनुष्य बनता है। मन को समझ लेने से हम जीवन के प्रबंधन को आसानी से समझ सकते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में नेहरू युवा केंद्र, राजनीति विज्ञान शाखा, क्रीडा विभाग एवं विधि विभाग के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 16 मार्च 2024 को यूथ पार्लियामेंट पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के सभी संकाय के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। संसद के एकदिवसीय सत्र में परिचर्चा का विषय "यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC)" रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने दो अलग–अलग समूह बनाया सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दल, दोनो दलों ने बिल पर बहस किया। यूनिफॉर्म सिविल कोड समान नागरिक संहिता ने देश में सभी धर्म समुदायों के लिए एक समान एक बराबर कानून बनाने पर सत्ता पक्ष ने अपनी दलील दी। वहीं विपक्ष ने इस बिल का जमकर विरोध किया एवं अपनी दलील दी, जिससे प्रत्येक संप्रदाय का अपना सामाजिक न्याय व्यवस्था एवं पंचायत है जिसको हर संप्रदाय शहज स्वीकार करता है तो इस बिल की का औचित्य ही क्या है। वही हमारे भारतीय संविधान के मौलिक अधिकार में समानता का अधिकार तो प्रदत है इस बिल से अनेक धर्म के अनुयाई के बीच यह बिल असमानता का परिचय प्रस्तुत करेगा, इस सब पर

			विस्तार से बताया गया। द्वितीय एआईयू नेशनल वूमेन स्टूडेंट पार्लियामेंट 2023–24 का आयोजन "नये भारत को हमारा सलाम" थीम पर पारूल विश्वविद्यालय बड़ोदरा में दिनांक 09 अप्रैल 2024 से 11 अप्रैल 2024 तक किया जा रहा है। इस युवा संसद में डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय की टीम भी भाग ले रही है– चयनित छात्रों की सूची में कुमारी साक्षी सिंह, कु. गार्गी सिंह, कु. चैतन्या गुप्ता (विधि संकाय) एवं प्रबंधक के रूप में डॉ. रेनु शरण एवं सहायक प्रबंधक के रूप में डॉ. रीना तिवारी प्रतिनिधित्व करेंगी। – विकसित भारत @ 2047 एवं आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग, योगा क्लब, NCC, NSS एवं भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में 20 मार्च 2024 को विकसित भारत, स्वस्थ भारत रू कायाकल्प योग एवं नाड़ी विज्ञान विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में हरदा मध्य प्रदेश से प्रसिद्ध वैद्य श्री रामनारायण गिनौरे जी को आमंत्रित किया गया था। श्री रामनारायण गिनौरे जी ने बताया कि बदलते समय में विज्ञान ने बहुत तरक्की कर ली है। किसी भी रोग का पता करने के लिए व्यक्ति का खून निकल कर उसे पता लगाया जा सकता है कि वह कौन से रोग से ग्रसित है लेकिन प्राचीन समय में रोगों का पता लगाने के लिए वैद्य केवल व्यक्ति के नाड़ी को देखकर रोग के बारे में जान जाते थे। नाड़ी चिकित्सा प्राचीन समय की चिकित्सा पद्धति मानी जाती है। इस चिकित्सा पद्धति में वैद्य हाथ की नाड़ी को देखकर ही रोग का पता लगा लेते हैं और उसे ठीक कर देते हैं। उन्होंने बताया कि नाड़ी विज्ञान एक प्राचीनतम ज्ञान है, जिसका जिक्र

			आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथो में है। नाड़ी विज्ञान से व्यक्ति के शरीर में वात, पित्त और कफ की वास्तविक स्थिति का पता लगाया जाता है। वात, पित्त और कफ की स्थिति में उनकी तीव्रता या कमी का संज्ञान लेकर ही शरीर में होने वाले रोग की जानकारी हो जाती है। योग विज्ञान में नाड़ी का विशेष महत्व है। योग का हर आसन एक नाड़ी के साथ जुड़ा हुआ है। इस कार्यक्रम में सभी संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी रमन स्टूडेंट काउंसिल के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। – डॉ सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनांक 21 मार्च 2024 को "विश्व कविता दिवस" का आयोजन भाषा विज्ञान विभाग एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में कविता : मैं और तुम विषय पर एक दिवसीय ई–व्याख्यान का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में श्री ऋतुराज आनंद दिल्ली विश्वविद्यालय क आमंत्रित किया गया था। श्री ऋतुराज आनंद ने इस अवसर पर कहा कि काव्य लेखन एक कला होती है। उन्होंने कविता लिखने के लिए आवश्यक तकनीकी पहलुओं को सभी के समक्ष साझा किया। सन् 1999 में पेरिस में हुए यूनेस्को के 30वें अधिवेशन में तय किया गया था कि, हर साल 21 मार्च को विश्व कविता दिवस के रूप में मनाया जाएगा। ऐसा अभिव्यक्ति व कला के इस माध्यम को बढ़ावा देने के लिए किया गया था। – विकसित भारत @ 2047 एवं आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के छत्तीसगढ़ी लोककला एवं संस्कृति केंद्र एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब के द्वारा देश के सभी राज्यों में मनाए जाने वाले

		पारंपरिक त्योहार होली के अवसर पर दिनांक 23 मार्च 2024 को होली फाग गायन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी, बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों में होली के अवसर पर गाए जाने वाले फाग गीत का गायन किया गया। विश्वविद्यालय में कार्यरत विभिन्न राज्यों के प्राध्यापकगण, प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारियों ने अपने–अपने राज्यों में होली के अवसर पर गाए जाने वाले फाग गीत का गायन किया। विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, विद्यार्थियों, प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय के ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा निर्मित हर्बल गुलाल एक दूसरे पर लगाकर हर्षोल्लास के साथ होली का त्यौहार मनाया। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय सिंपोसिया का आयोजन दिनांक 28 फरवरी 2024 को किया गया था। यह रिसेंट ट्रेंडस इन केमेस्ट्री एंड इट्स एप्लीकेशन विषय पर आयोजित किया गया था। इंडियन इंस्टियूट ऑफ साईंस एंड टेक्नोलॉजी शिवपुर वेस्ट बंगाल के प्रो. झुमा गांगुली एवं केमिस्ट्री स्कूल ऑफ अप्लाईड सांईस एंड ह्यूमैनिटी हल्दीया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी वेस्ट बंगाल के प्रो. गौरी शंकर राय महापात्रा अतिथी वक्ता के रूप में शामिल थे। यह आयोजन केमिस्ट्री विभाग, आईक्यूएसी एवं गवर्नमेंट एसपीएम कॉलेज सीतापूर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर जेम्स पर्किस एवं सुखदेव राय महापात्रा अवार्ड से 04 शोद्यार्थियों और विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। – विकसित भारत@2047 एवं आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के द्वारा स्थापित

		वनमाली सृजन पीठ बिलासपुर में दिनांक 29 मार्च 2024 को कथा बैठकी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कवि, कविता और स्थानिकता विषय पर रचना पाठ किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रवि प्रकाश दुबे व आमंत्रित कवियों ने रचना पाठ किया। इस अवसर पर सभी ने रचनाओं में स्थानिकता का विशेष स्थान होने की बात कही। रायगढ़ से आए डॉ. हेमचंद पांडे ने अपनी कविताओं का पाठ किया। इसमें प्रतीक्षा, खिड़कियां और दरवाजे, मधुयामिनी, छलिया अपरंपार, पूर्वज शीर्षक के साथ अपनी रचनाओं का पाठ किया। कार्यक्रम में अंबिकापुर से आई कवयित्री डॉ. मृदुला सिंह ने गुलबिया से स्वीटी बनाना, विनर, निराला की तस्वीर, गलियों का दुख, सहित अनेक हृदय स्पर्शी कविताओं का पाठ किया। उनकी लड़कियां लौटेंगे एक दिन और एक पीली दोपहरी वसंत की सहित अनेक कविताएं में सभी का मन मनमोहा। बीजापुर से आई कवियत्री डॉ. पूनम वासम ने कहा कि हमारी कविताओं में लोकोक्तियां, बोलियां, मुहावरे, सहित स्थानिकता का समावेश आवश्यक है। उन्होंने आयतु की लापता बेटी, पानी से ज्यादा प्रेम, प्रवेश निषेध है। उसने ऐसा। क्यों नहीं लिखा और जंगल विषय पर कविता का पाठ किया। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ZEE मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ के द्वारा दिनांक 30 मार्च 2023 को रायपुर में हुए गरमामयी कार्यक्रम "रामराज्य में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य" करने के लिए सम्मानित किया गया। डीन एकेडमिक डॉ अरविंद तिवारी जी को यह सम्मान छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के द्वारा प्रदान किया गया।

		– आईटीएम विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 30 मार्च एवं 31 मार्च 2024 को राष्ट्र नीति डिप्लोमेसी समिट 2024 का आयोजन किया गया था। डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 19 छात्रों ने आईटीएम विश्वविद्यालय में आयोजित युवा सांसद में हिस्सा लिया। आईटीएम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित युवा संसद के अंतर्गत पांच अलग–अलग कमेटी बनाई गई थी जिसमें लोकसभा, विधानसभा, यूएनजीसी, यूएनएच आरसी एवं इंटरनेशनल प्रेस शामिल थी। डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पुरस्कार जीता। – सत्र 2023–24 में शैक्षणिक गतिविधियॉं एवं प्रशासनिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करना एवं नवीन पाठ्यक्रमों के अनुरूप संसाधनों का निर्माण करना।
17	विश्वविद्यालय के संचालन में आने वाली प्रशासनिक, अकाद्मिक एवं अन्य कठिनाईयों की जानकारी।	– GAD के Circular में अभी तक विश्वविद्यालय का नाम समस्त विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल नहीं किया गया है।

कुलसचिव